दिनांक 01 नवम्बर, 2007 को प्रमुख सचिव महोदय की अध्यक्षता में उत्तराखण्ड इन्फ्राइस्ट्रक्चर प्रोजेक्ट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारीगणों के साथ एयर कनैक्टिविटी के संबंध में आयोजित बैठक का कार्यवृत्त

बैठक मे उपस्थिति निम्नवत रही –

शासन की ओर से उपस्थित अधिकारीगण–

1– सर्व श्री पी0सी0 शर्मा प्रमुख सचिव, नागरिक उड्डयन विभाग , उत्तराखण्ड शासन।
2– श्री विनोद शर्मा, अपर सचिव, नागरिक उड्डयन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
3– श्रीमती दीप्ती मिश्रा अनुभाग अधिकारी, नागरिक उड्डयन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।

निदेशालय,नागरिक उडडयन से उपस्थित अधिकरीगण–

4– श्री जी0 सितौला, अपर निदेशक, नागरिक उड्डयन विभाग।

उत्तराखण्ड इन्फ्राइस्ट्रक्चर प्रोजेक्ट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के उपस्थित अधिकारीगण–

5– श्री राजीव गर्ग, उपाध्यक्ष, यू0आई0पी0सी0 ।
6– श्री अजय पत, प्रोजेक्ट मैनेजर ।
7– श्री डी0के0 नगपाल, कन्सलटेन्ट ।
8– श्री रामेश जैन चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट।

सिडकुल के अधिकारीगण–

9– श्री एस0 के0 पण्डा, डी0जी0एम0 (एफ) एण्ड सी0एस0 ।
10– श्री गंगा प्रसाद, वित्त नियन्त्रक।

सर्व प्रथम बैठक मे अपर सचिव महोदय द्वारा प्रमुख सचिव महोदय को दिनांक 25 अक्टूबर 2007 को अपर मुख्य सचिव महोदय की अध्यक्षता में हुई बैठक के संबंध में अवगत कराया गया कि अपर मुख्य सचिव महोदय द्वारा एयर कनैक्टिविटी के लिये यू0आई0पी0सी0 को रू0 9.00 करोड की धनराशि की व्यवस्था अनुपूरक मॉग में रखे जाने के निर्देश दिये गये, जिसको क्रम मे पत्रावली गठित कर परिव्यय की उपलब्धता हेतु नियोजन विभाग को संदर्भित कर दी गई है।

2– इस संबंध में अपर सचिव महोदय द्वारा अवगत कराया गया कि चालू वित्तीय वर्ष 2007–08 के बजट में व्यावसायिक विमान सेवाओं का विस्तार मद में रू0 05. 00 करोड की धनराशि का प्राविधान किया गया है। अतः प्रमुख सचिव महोदय द्वारा यू0आई0पी0सी0 के अधिकारीगणों को उक्त धनराशि रू0 5.00 करोड का प्रस्ताव तत्काल शासन में उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये गये । इस संबंध में यूआई0पी0सी0 के अधिकारीगणों द्वारा तत्काल यह प्रस्ताव उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया । साथ ही यह भी निर्देश दिये गये कि जो धनराशि उन्हें उपलब्ध करायी जायेगी उसका ब्याज भी उनको अवमुक्त धनराशि में सम्मिलित किया जायेगा ताकि भविष्य में जब वह इस हेतु अतिरिक्त धनराशि की मांग करेंगे तो इस धनराशि को उसमें समायोजित कर लिया जायेगा। यू0आई0पी0सी0 के अधिकारियों द्वारा भी इस हेतु अपनी सहमति व्यक्त की गयी।

3– पुनः यह भी चर्चा हुई कि यू0आई0पी0सी0 के द्वारा शासन में उपलब्ध कराये गये बिड डाक्यूमेन्ट का परीक्षण कर लिया जाय इस हेतु प्रथमतः समयाभाव को देखते हुये प्रमुख सचिव महोदय द्वारा इस हेतु संबंधित विषयक की तीन पत्रावलियां गठित कर कमशः वित्त, न्याय तथा निदेशालय नागरिक उड्डयन को परीक्षण हेतु उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये गये। प्रमुख सचिव महोदय द्वारा यह भी निर्देश दिये गये कि निदेशालय स्तर पर इसका तकनीकी परीक्षण कर लिया जाय जिस हेतु गठित 2 सदस्यीय समिति जिसमें अपर निदेशक श्री सिसौदिया, तथा श्री जी0एस0 धीमान, सिविल एवियेशन विजिटिंग कन्सलटेन्ट को नामित किया गया है सम्मिलित रूप से इसकी तकनीकी उपादेयता (Technical Feasibility) का परीक्षण करके प्रस्ताव शासन में उपलब्ध करायेगें। ताकि समयभाव के कारण प्रस्तुत प्रस्ताव पर शीघ्रताशीघ्र कार्यवाही की जा सकें ताकि जिससे व्यवसायिक विमान सेवाओं के विस्तार हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2007–08 के बजट में प्राविधानित धनराशि रू0 05.00 करोड को अवमुक्त किये जाने की कार्यवाही शीघ्रताशीघ्र सुनिश्चित की जा सके ।

2— अंत में वार्ता सौहार्द पूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। ।

(पी0सी0शर्मा)
प्रमुखसचिव।

उत्तराखण्ड शासन
परिवहन उड्डयन अनुभाग–02
संख्या–246 /IX /153 /2007
देहरादून : दिनांक 22 नवम्बर, 2007

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:–

1— निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन ।
2— निजी सचिव, प्रमुख सचिव, नागरिक उड्डयन, उत्तराखण्ड शासन ।
3— निजी सचिव, अपर सचिव, नागरिक उड्डयन, उत्तराखण्ड शासन ।
4— निदेशक, नागरिक उड्डयन विभाग, देहरादून ।
5— प्रबन्ध निदेशक, यू0आई0पी0सी0, देहरादून, उत्तराखण्ड ।
6— एन0 आई0सी0, उत्तराखण्ड शासन।
7— गार्ड फाईल ।

आज्ञा से,

(विनोद शर्मा)
अपर सचिव ।